

21/11/24

पत्रावलि पत्रे छे । बकीन वरिच वरि
उप० नदी । बार बार कर्कष नरि अरि
बावजूड कर्कष कर्कषपत्रिपत्रं इ. पत्रावलि कर्कष
पत्रे कर्कष शकरी बरालि वी जतिदि ।

